पाठ **– 12**

प्रश्न 2. हम लोग पेड़ पौधे और खरपात से भी बदतर समझे गए। वह कौन थे, जिन्होंने लेखक और अन्य लोगों को पेड़–पौधों और खरपात से भी बदतर समझ लिया था? उन्होंने ऐसा क्यों समझ लिया था?
उत्तर – लेखक और अन्य लोगों को पेड़ पौधे और खरपात से भी बदतर समझने वाले शेर थे। नैरोबी के नेशनल पार्क में शेर आराम कर रहे थे और उन्होंने वहां खड़ी मोटरों और उनके अंदर बैठे लोगों की ओर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया। उन्होंने यह इसलिए किया क्योंकि शेरों के लिए वहां मौजूद लोग या मोटर उनकी दुनिया का हिस्सा नहीं थे। शेरों को इंसानों की उपस्थिति से कोई फर्क नहीं पड़ा और उन्होंने मानो इंसानों को तुच्छ समझते हुए उन्हें पूरी तरह अनदेखा कर दिया।

उत्तर **3**. मॉरीशस में गन्ने की खेती और चीनी के उद्योग को जो सफलता मिली है, वह भारतीयों के कारण ही संभव हो पाई हैं। यदि भारतीय वंश के लोग मॉरीशस में नहीं गए होते तो गन्ने खेती असंभव हो जाती और चीनी के कारखानों का विकास नहीं हो पाता। इस प्रकार भारतीयों ने मॉरीशस के कृषि और उद्योग को अपनी मेहनत और समर्पण से समृद्ध बनाया है।

अतिरिक्त प्रश्न **:–**

1. लेखक किस–किस स्थान से यात्रा करते हुए मॉरीशस पहुंचा?
   उत्तर **:** लेखक ने अपनी यात्रा दिल्ली से शुरू की, फिर मुंबई से होते हुए नैरोबी पहुंचे और अंत में नैरोबी से मॉरीशस के लिए रवाना हुए।
2. लेखक ने मॉरीशस के मंदिरों को कैसा पाया?
   उत्तर **:** लेखक ने मॉरीशस के मंदिरों और शिवालयों को अत्यंत साफ, स्वच्छ और सुरम्य पाया। लेखक ने वहां के मंदिरों और शिवालयों को देखकर इच्छा प्रकट की कि कितना अच्छा हो, यदि हम भारत में भी अपने मंदिर और तीर्थ स्थानों को मॉरीशस के ही समान स्वच्छ और सुरम्य बना दें।
3. मॉरीशस के प्रमुख धार्मिक पर्व कौन से हैं और इनमें से सबसे महत्वपूर्ण पर्व कौन–सा माना जाता है?
   उत्तर **:** शिवरात्रि के समय मॉरीशस के सभी हिंदू श्वेत वस्त्र धारण करके कंधों पर कांवर लिए जुलूस बांधकर परी तालाब पर आते हैं और वहां से जल भरकर शिवालय लौट जाते हैं तथा शिवजी पर जल चढ़ाकर अपने घरों में प्रवेश करते हैं।